



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 329]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 5, 2016/माघ 16, 1937

No. 329]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 5, 2016/MAGHA 16, 1937

वस्त्र मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली 4 फरवरी, 2016

का. आ. 382(अ).— आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश जारी करती है, नामतः-

1. **संक्षिप्त शीर्षक, सीमा एवं प्रारंभ-** (1) इस आदेश को पटसन एवं पटसन वस्त्र नियंत्रण आदेश, 2016 कहा जाएगा।

2. यह पूरे भारत में प्रभावी होगा।

3. यह इसके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभाव में आएगा।

2. **परिभाषाएं-** इस आदेश में, यदि परिप्रेक्ष्य में अन्यथा अपेक्षित न हो तो:-

(क) 'कैरियर' में रेलवे, कच्ची पटसन तथा पटसन वस्त्रों का लदान एवं ढुलाई करने में संलग्न एजेंट अथवा भूमि, वायु या जलमार्ग द्वारा पटसन एवं पटसन वस्त्रों के एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन के व्यापार में संलग्न कोई अन्य व्यक्ति शामिल होंगे;

(ख) 'पटसन आयुक्त' का तात्पर्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त पटसन आयुक्त तथा उप-पटसन आयुक्त और इस आदेश के अंतर्गत पटसन आयुक्त की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए नियुक्त किए गए किसी अन्य अधिकारी से होगा;

(ग) 'पटसन मिल' से तात्पर्य मशीनी प्रक्रिया अथवा इलेक्ट्रिकल प्रक्रिया अथवा दोनों प्रक्रियाओं को शामिल करते हुए कच्ची पटसन से पटसन वस्त्रों का उत्पादन करने वाले विनिर्माता से है;

(घ) 'पटसन वस्त्रों' में पूर्णतः कच्ची पटसन, अथवा आंशिक रूप से कच्ची पटसन और आंशिक रूप से किसी अन्य सामग्री अथवा ऐसी सामग्रियों जिनमें कच्ची पटसन की मात्रा इसके वजन के 50% से अधिक हो, द्वारा तैयार यार्न, ट्वाइन, सैकिंग क्लोद, बैग अथवा बोरे तथा अन्य वस्तुएं शामिल हैं;

(ड) 'विनिर्माता' का ताप्य पटसन मिल सहित कसी भी क्रया के तारा पटसन व क कसी भी कम के उपादक से है;

(च) 'कची पटसन' का ताप्य पट, पटसन, बिमली अथवा मेस्टा के नाम से जानी जाने वाली पटसन फाइबर से है;

(छ) 'भंडारकता' का ताप्य कची पटसन अथवा पटसन व अथवा दोन का भंडार रखने वाले कसी यि, विनिमाता, डीलर, आयातक, यापारी अथवा एजेंसी से है;

(ज) 'अनुचित क्रयाएं' पैरा-4 के अंतर्गत दिए गए कसी आदेश के संबंध में 'अनुचित क्रया' का ताप्य पटसन बोर के गबन, गैर-आपूर्ति अथवा पटसन बोर का आपूर्ति में चूक, युक्त अथवा पुराने पटसन बोर अथवा कम वजन के पटसन बोर अथवा आयातित पटसन बोर, आयातित कची पटसन अथवा पटसन यान अथवा फैब्रिक तारा विनिर्मित पटसन बोरे, गैर-ब्रांड वाले अथवा अधूरे ब्रांडेड अथवा गलत तरीके से ब्रांडेड पटसन बोर अथवा ऐसे पटसन बोर जो क उपादन नियंत्रण आदेश में उल्लिखित विशिष्टता अथवा बीआईएस मानक के अनुरूप नहीं हैं, का आपूर्ति से है;

(झ) 'वष' का ताप्य 01 जुलाई से शुरु होकर अगले वर्ष के 30 जून तक का अवधि से है।

3. मूल्य निर्धारण की शक्ति – (1) पटसन आयुक्त, समय-समय पर सरकारी राजपत्र में उस यूनतम मूल्य को अधिसूचित करेगा जिस पर कची पटसन का कसी भी कम और डेड को खरीदा अथवा बेचा जा सकता है तथा विभिन्न क्षेत्र अथवा विभिन्न कम, डेड अथवा कची पटसन का विशिष्टता हेतु विभिन्न मूल्य, इस शत के अध्यधीन निधारित किया जा सकता है कये मूल्य का सरकार द्वारा घोषित यूनतम समर्थन मूल्य पर आधारित है।

(2) पटसन आयुक्त, ऐसे मूल्य अथवा मूल्य का निर्धारण करते हैं, कची पटसन का कम, डेड तथा विशिष्टता, उपादन क्षेत्र से कसी क्षेत्र अथवा ऐसे क्षेत्र जिनके संबंध में ऐसे मूल्य अथवा मूल्य का निर्धारण किया जाना है, तक कची पटसन के परिवहन, रख-रखाव तथा भंडारण हेतु आवश्यक अथवा खर्चों तथा माल भाड़ा उचित मूल्य पर इसे उपलब्ध कराने का आवश्यकता तथा कोई अन्य संबंधित कारक अथवा कारक का संज्ञान लेगा।

(3) पटसन आयुक्त, सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे उचित मूल्य का निर्धारण करेगा जिस पर कची पटसन का कसी कम अथवा डेड को खरीदा अथवा बेचा जा सके, तथा कची पटसन का विभिन्न कम तथा डेड के लिए अथवा विभिन्न क्षेत्र हेतु विभिन्न मूल्य निधारित किए जा सकें।

(4) उप-पैरा (3) के अंतर्गत उचित मूल्य का निर्धारण करते समय, पटसन आयुक्त कची पटसन का कम तथा डेड, उपादन क्षेत्र से कसी क्षेत्र अथवा ऐसे क्षेत्र जिनके संबंध में ऐसे मूल्य अथवा मूल्य का निर्धारण किया जाना है तक कची पटसन के परिवहन, रख-रखाव तथा भंडारण हेतु आवश्यक अथवा खर्चों तथा माल भाड़ा तथा कोई अन्य संबंधित कारक अथवा कारक का संज्ञान लेगा।

(5) कोई भी यि उप-पैरा (3) के अंतर्गत उपर्युक्त हेतु निधारित उचित मूल्य से अधिक मूल्य पर कची पटसन का खरीद या बिक्र अथवा बिक्र हेतु ऑफर नहीं देगा।

(6) पटसन आयुक्त, समय-समय पर सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अधिकतम मूल्य अथवा यूनतम मूल्य अथवा मामूली मूल्य अथवा इन सभी का, जिन पर पटसन व क कहीं विशिष्टता को पटसन पैकेजिंग सामग्री (पैकेजिंग व तुओं में अनिवाय योग) अधिनियम, 1987 (1987 का 10) के अंतर्गत योग अथवा कसी अन्य योग हेतु खरीदा अथवा बेचा जा सकेगा, निर्धारण करेगा।

4. पटसन वों के उत्पादन को नियंत्रित करने की शक्ति – (1) पटसन आयुक्त, पटसन पैकेजिंग सामग्री (पैकेजिंग व तुओं में अनिवाय योग) अधिनियम, 1987 (1987 का 10) अथवा क सरकार के कसी अन्य निदेश के

क्रया वयन हेतु सभी आवयक कदम उठाएगा तथा आदेश द्वारा कसी पटसन मिल को ऐसे क्रया वयन हेतु आदेश म यथाउल्लिखित पटसन व क कह विशि टता क कसी मा 1 के उपादन करने के निदेश दे सकता है तथा ऐसे आदेश को उपादन नियंत्रण आदेश (पीसीओ) कहा जाएगा।

(2) पटसन आयुक्त, पैके जग सामी (पैकिंग व तुओं म अनिवाय योग) अधिनियम, 1987 (1987 का 10) अथवा क सरकार के कसी अ य निदेश के क्रया वयन हेतु सभी आवयक कदम उठाएगा तथा आदेश द्वारा ऐसे क्रया वयन हेतु आदेश म यथाउल्लिखित पटसन व क ऐसी विशि टता क ऐसी मा 1 को चिहित करने, उनक छपाई अथवा ंड हेतु आयातक, संकरणकता, क ची पटसन तथा क ची पटसन के यापारय को निदेश दे सकता है।

5. **कच्ची पटसन के भंडार को विनियमित करने क शि** - (1) पटसन आयुक्त, आदेश द्वारा -

(i) क ची पटसन अथवा पटसन क कसी अ य विशि ट क म क उस अधिकतम मा 1 को निर्दि ट कर सकता है जिसे एक विनिर्माता कसी विशि ट यि अथवा एजेंसी अथवा कसी अ य से कसी विशि ट अवधि के दौरान खरीदेगा;

(ii) क ची पटसन क उस अधिकतम मा 1 को निधारत करेगा जिसे एक विनिर्माता कसी विशि ट अवधि के दौरान अपने वामि व म रख सकता है।

(2) उप-पैरा (1) के खंड (i) के अंतर्गत आदेश जारी करते ए पटसन आयुक्त नि न को ध्यान म रखेगा-

(क) विगत वष के दौरान विनिर्माता द्वारा योग क गई क ची पटसन क मा 1;

(ख) आदेश जारी होने क तारीख से त काल पूर्व क छह माह क अवधि के दौरान विनिर्माता के वामि व म रहने वाली क ची पटसन क अधिकतम मा 1;

(ग) पटसन व के विनिर्माण के लिए विनिर्माता क मता;

(घ) क ची पटसन के मूल्य म थिरता बनाए रखने क आवयकता;

(ङ) पटसन व के विनिर्माता हेतु क ची पटसन क उपल धता;

(च) पैरा-4; एवं

(छ) इस उद्दे य हेतु पटसन आयुक्त क राय म कोई अ य संबंधित कारक।

6. **कच्ची पटसन क सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने क शि** - (1) क ची पटसन क आसानी से उपल धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पटसन आयुक्त, कसी भंडारकता के लिए नि नलिखित को आवयक कर सकता है:-

(i) पटसन आयुक्त अथवा उसके थान पर उसके द्वारा कसी अ य अधिकृत अधिकारी के पास पंजीकरण हेतु आवेदन;

(ii) पटसन आयुक्त अथवा उप-पटसन आयुक्त क लिखित अनुमति के बिना एक विशि ट सीमा के बाहर उसके भंडार को बेचने अथवा आपूर्ति करने पर पाबंदी; अथवा

(iii) क ची पटसन अथवा पटसन क कसी अ य विशि ट क म क अधिकतम मा 1 को रखना जो क भंडारकता कसी विशि ट अवधि के दौरान कसी विशि ट यि अथवा कसी एजेंसी से अथवा कसी अ य से खरीद अथवा बेच सकता है अथवा अपने वामि व म रख सकता है।

(2) उप-पैरा (1) के तहत आदेश जारी करते समय पटसन आयुक्त नि नलिखित को ध्यान म रखेगा:-

i. उसके क जे म रखी क चे पटसन क मा 1;

ii. ऐसे भंडार क क म, थिति और ेड संयोजन;

iii. बिक्र और सुपुदगी करने क उपयुक्त और दृढ वचनबद्धता;

iv. क ची पटसन आसानी से उपलब्ध कराए जाने तथा ए सचेंज/ए सचेंज के माध्यम से अथवा अ यथा क ची पटसन के भंडारण करने अथवा अटकलबाजी को रोकने के विशेष संदभ म विभिन्न भंडारक द्वारा रखे जा रहे पटसन के ऐसे भंडार को रखने क अवधि और उद्देश्य; और,

v. पटसन आयुक्त के विचार से इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त कोई अ य कारक।

7. **गुणवत्ता के निरीक्षण क शक्ति** :- पटसन आयुक्त बाजार म पटसन व क गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अतः योता के हित क सुरा के मद्देनजर अतः योता के लिए पटसन व के उपादन अथवा भंडारण करने अथवा पटसन व के पर्यय के लिए कसी यिक आवश्यकता होगी,

- (क) सामान्य अथवा विशिष्ट आदेश द्वारा निधारित कए गए स्थान और समय पर निरीक्षण के लिए नमून क आपूर्ति करना,
- (ख) इनके परीक्षण के लिए ऐसे नमून को लेने हेतु पटसन आयुक्त द्वारा अधिकृत कए गए क सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा कसी अ य वायत निकाय अथवा संस्थान के कसी अधिकारी को अनुमति देना,
- (ग) ऐसे अधिकारी अथवा निकाय अथवा संस्थान द्वारा तैयार क गई निरीक्षण रिपोर्ट क एक तिलिपि, जैसा भी मामला हो, विनिर्माता अथवा भंडारकता अथवा कैरर को दान करना तथा तपचात पैरा-8 के खंड (क) के अंतर्गत कारवाई शुरू करना।

8. **विनिर्माता से आपूर्ति को तिबंधित करने क शक्ति** :-

- (क) पटसन आयुक्त के आदेश द्वारा इस पैरा के अंतर्गत दी गई यवथा के अनुसार जांच के तपचात विनिर्माता द्वारा कए गए अनुचित यवहार क कृति और माता के आधार पर 3 महीने से लेकर 2 साल क अवधि के लिए कसी पटसन व क आपूर्ति से कसी विनिर्माता को तिबंधित कर सकता है।
- (ख) पटसन आयुक्त, आपूर्ति कए गए पटसन व अथवा पटसन व क खेप के संबंध म अनुचित यवहार संबंधी आरोप पर ततः संतान लेते ए अथवा अतः योता, अथवा खरीद एजेंसी अथवा आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय सहित पटसन बोर्ड के यवसाय म लगे ए कसी अ य यिक से शिकायत क तिसि पर, नि नलिखित के बाद ही पटसन व क आपूर्तिकरने से विनिर्माता को तिबंधित करने के आदेश जारी कर सकता है-
 - i. पटसन व के उपादन और संभालने के कसी चरण के दौरान पटसन व का निरीक्षण करने हेतु कम से कम निरीक्षक क रक के कसी निरीक्षण अधिकारी को निदेश दिया है। विनिर्माता को यह पता लगाने का नोटस देते ए क या विनिर्माता ने अनुचित तरीक का योग कया है;
 - ii. उसने ऐसे निरीक्षण अधिकारी द्वारा तैयार क गई निरीक्षण रिपोर्ट क एक तिलिपि विनिर्माता को दान क है;
 - iii. उसने संबंधित विनिर्माता को कारण बता नोटस जारी कर दिया है क य न उसके विरुद्ध खंड (क) के संबंध म कोई दंडा मक कारवाई क जाए;
 - iv. उसने ऐसे विनिर्माता को सुनने का उचित अवसर दिया है और आदेश म इसका कारण निहित होगा क य न खंड (क) के संबंध म विनिर्माता क आपूर्ति तिबंधित क जानी चाहिए अथवा तिबंधित नह क जानी चाहिए।

(ग) जब खंड (ख) म उलिखित थितिय म पटसन आयुक्त द्वारा खंड (क) के अंतर्गत आदेश जारी कया जाता है, पटसन आयुक्त के पास विनिर्माता द्वारा आपूर्ति कए गए पटसन व के ऐसे टॉक अथवा टॉक अथवा पटसन व क खेप के निपटान का अधिकार होगा।

(घ) यदि कोई विनिर्माता इस पैरा के अंतर्गत निरीक्षण की अवधि अथवा की गई जांच के दौरान सहयोग नहीं करता है अथवा आंकड़े और सूचना देने से मना करने सहित किसी रूप में अवरोध अथवा बाधा उत्पन्न करने का यास करता है, वह खंड (क) के संबंध में 3 महीने से 2 वर्ष की अवधि के लिए पैरा 4 के अंतर्गत किसी खरीद ऑर्डर के विरुद्ध किसी पटसन वकील की आपूर्ति को रोक सकता है।

(ङ) इस पैरा 1फ के अंतर्गत जारी किए गए एक आदेश को सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

9. **सूचना मंगाने और निरीक्षण, जांच और जब्त करने की शक्ति :-** (1) पटसन आयुक्त को इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए:-

(क) उस व्यक्ति अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले किसी व्यवसाय के संबंध में सूचना देने के लिए किसी व्यक्ति की आवश्यकता होगी।

(ख) किसी व्यक्ति के वामि व अथवा नियंत्रण में लेखा पुस्तिका अथवा अन्य दस्तावेज को नियंत्रण में लेने के लिए उनका निरीक्षण करना अथवा निरीक्षण करवाना अथवा वामि व में लेना जो उसके विचार से इस आदेश के किसी उल्लंघन के संबंध में किसी कार्यवाही के लिए उपयुक्त अथवा उचित होगा और जिस व्यक्ति के पास से ऐसे लेखा पुस्तिकाएं अथवा अन्य दस्तावेज पकड़ी गई हो, उसे उसकी तिलिपि करने अथवा ऐसी लेखा पुस्तिका अथवा अन्य दस्तावेज वाले अधिकारी की उपस्थिति में उसका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने की अनुमति दान करेगा।

(ग) किसी परस्पर में बेश और उसकी जांच करेगा तथा किसी कच्ची पटसन अथवा पटसन वकील को कच्चे में लेगा जिसके संबंध में उल्लंघन है कि इस आदेश का उल्लंघन आ रहा है, किया जा रहा है अथवा होने वाला है और उसके पचास इस कारण त कए गए टॉक का उपादन सुरक्षित करने के लिए, ऐसा उपादन लंबित रहने तक, उनका सुरक्षा के लिए अदालत में सभी अनिवाय उपाय करने के लिए अधिकार में लेगा अथवा अधिकृत करेगा।

(2) यदि किसी जिसे खंड (क) और (ख) के अंतर्गत नमूना प्रस्तुत करना अथवा कोई सूचना देना अथवा कोई पुस्तिका प्रस्तुत करना अथवा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करना अपेक्षित होता है, इस आवश्यकता अथवा निदेश का पालन करेगा।

(3) जांच और जब्त करने से संबंधित अपराधिक क्रियाविधि संहिता, 1973 (1974 का 2) के प्राधान इस पैरा 1फ के अंतर्गत जांच करने और जब्त करने के लिए लागू होंगे।

10. **अपील** - इस आदेश के अंतर्गत दिए गए पटसन आयुक्त के आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे आदेश की सूचना प्राप्त होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर की सरकार से अपील कर सकता है और की सरकार अपील करने वाले को सुनवाई का अवसर दान करने के बाद जैसा उचित समझे अपील पर ऐसे आदेश दे सकता है:

बशर्ते की की सरकार 30 दिनों की उक्त अवधि के समाप्त होने के पचास अपील पर सुनवाई कर सकता है, यदि अपीलकता की सरकार को संतुष्ट कर देता है कि निश्चित समय-सीमा के भीतर अपील नहीं कर पाने के लिए उसके पास पर्याप्त कारण थे।

11. **दंड**- ऐसा कोई व्यक्ति जो आदेश के कि प्रान का उल्लंघन करता है अथवा इसके अंतर्गत दिए गए किसी निदेश अथवा अपेक्षा को पूरा करने में असफल होता है तो उसे आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 7 के अंतर्गत दंड दिया जाएगा।

12. **अधीनस्थ अधिकारों को अधिकृत करने की शक्ति** - की सरकार के पूर्व अनुमोदन के अधीन पटसन आयुक्त लिखित में सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा की सरकार अथवा राज्य सरकार के किसी अधिकारी को अपनी ओर से उसके सभी अथवा कोई कार्य करने तथा इस आदेश के अंतर्गत शक्तियों का योग करने के लिए अधिकृत कर सकता है।

13. **निरसन और बचाव**- पटसन और पटसन वकील नियंत्रण आदेश, 2000 का एत द्वारा निरसन किया जाता है:-

बशर्ते की दिया गया कोई आदेश, जारी की गई अधिसूचना, प्रस्तुत अधिकार, लगाया गया दंड अथवा किया गया कोई कार्य अथवा की गई कोई कारवाई अथवा कर दिया गया, मान लिया गया अथवा उक्त आदेश के

अनुपालन म कया गया का,य कर दया गया, जारी कया गया, ाप्त कया गया, लगाया गया अथवा नियं ण म लिया गया अथवा इस आदेश के तदनरूपी ावधान का अनुपालन माना जाएगा।

[फा. सं. 4/13/2015-पटसन]

ए.मधुकुमार रेड्डी, संयु सचिव -

MINISTRY OF TEXTILES

ORDER

New Delhi, the 4th Febuary, 2016

S.O. 382(E).— In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:-

1. **Short title, extent and commencement** – (1) This Order may be called the Jute and Jute Textiles Control Order, 2016.
 - (2) It extends to the whole of India.
 - (3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. **Definitions** .– In this Order, unless the context otherwise requires,-
 - (a) “carrier” includes the railways, agents engaged in loading and unloading of raw jute and jute textiles or any other person engaged in the business of transporting raw jute and jute textiles from one place to another by land, air or water;
 - (b) “Jute Commissioner” means the Jute Commissioner and the Deputy Jute Commissioner appointed by the Central Government and includes any other officer appointed as such to exercise the powers of the Jute Commissioner under this Order;
 - (c) “jute mill” means a manufacturer producing jute textiles from raw jute involving mechanical process or electrical processes or both processes;
 - (d) “jute textiles” means and includes yarn, twine, sacking cloth, bags or sacks and other articles made, wholly from raw jute, or partly from raw jute and partly from any other material or materials where raw jute constitutes more than fifty per cent. of its weight;
 - (e) “manufacturer” means the producer of any variety of jute textiles by employing any process and includes jute mill;
 - (f) “raw jute” means the fibre of jute also known as pat, patsan, bimli or mesta;
 - (g) “stockist” means and includes any person, manufacturer, dealer, importer, trader or agency holding stock of raw jute or jute textiles or both;
 - (h) “unfair practices” in relation to an order made under paragraph 4 shall include misappropriation of jute bags, non-supply or default in supply of jute bags, supply of used or old jute bags or underweight jute bags or imported jute bags, jute bags manufactured with imported raw jute or jute yarn or fabric, unbranded or incompletely branded or wrongly branded jute bags or jute bags which do not conform to the BIS standards or the specifications mentioned in the production control order;
 - (i) “year” means the year commencing on the 1st day of July and ending with the 30th day of June next following.
3. **Power to fix prices.**– (1) The Jute Commissioner may, from time to time, notify in the Official Gazette, the minimum price, at which any variety and grade of raw jute may be purchased or sold and different prices may be fixed for different areas or for different varieties, grades or specifications of raw jute subject to the condition that such price is based on the Minimum Support Price declared by the Central Government.
 - (2) In fixing such price or prices, the Jute Commissioner shall also have regard to the varieties, grades and specifications of raw jute, the freight and other expenses necessary for the transport, handling and storage of raw jute from the growing area to the area or areas in relation to which such price or prices is or are to be fixed, necessity to make the same available at a fair price and any other relevant factor or factors.

- (3) The Jute Commissioner may, by notification in the Official Gazette, fix the reasonable price at which any variety and grade of raw jute may be purchased or sold, and different prices may be fixed for different areas or for different varieties and grades of raw jute.
- (4) While fixing the reasonable price under sub-paragraph (3), the Jute Commissioner shall have regard to the variety and grade of raw jute, the freight and other expenses necessary for the transport, handling and storage of raw jute from the growing area to the area or areas in relation to which such price or prices is or are to be fixed and any other relevant factor or factors.
- (5) No person shall sell or offer to sell or purchase or offer to purchase any raw jute at a price exceeding the reasonable price fixed therefor under sub-paragraph (3).
- (6) The Jute Commissioner may, by notification in the Official Gazette, fix from time to time, the maximum price or minimum price or nominal price or all of them at which any specification of jute textiles may be purchased or sold for use under the Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packing Commodities) Act, 1987 (10 of 1987) or for any other use.
4. **Power to control production of jute textiles** .- (1) The Jute Commissioner shall take all steps necessary for the implementation of the Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packing Commodities) Act, 1987 (10 of 1987) or any other directive of the Central Government and may by order, direct any jute mill, to produce such quantities of such specifications of jute textiles as may be specified in the order for such implementation, and the said order may be called as the Production Control Order (PCO).
- (2) The Jute Commissioner shall take all steps necessary for the implementation of the Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packing Commodities) Act, 1987 (10 of 1987) or any other directive of the Central Government and may by order, direct any importers, processors, traders of raw jute and jute textiles to mark or print or brand such quantities of such specifications of jute textiles as may be specified in the order for such implementation.
5. **Power to regulate stocks of raw jute** .- (1) The Jute Commissioner may, by order, -
- (i) specify the maximum quantity of raw jute or any specified variety of jute which a manufacturer shall purchase from any specified person or agency or otherwise during any specified period;
 - (ii) specify the maximum quantity of raw jute which a manufacturer may have in his own possession during any specified period.
- (2) In issuing an order under clause (i) of sub-paragraph (1), the Jute Commissioner shall have regard to-
- (a) the quantity of raw jute used by the manufacturer during the previous year;
 - (b) the maximum quantity of raw jute which the manufacturer has had in his possession during the period of six months immediately preceding the date of the order;
 - (c) the capacity of the manufacturer to manufacture jute textiles;
 - (d) the need to maintain stability in the prices of raw jute;
 - (e) the availability of raw jute for manufacture of jute textiles;
 - (f) paragraph 4; and
 - (g) any other factor which in the opinion of the Jute Commissioner is relevant for the purpose.
6. **Power to ensure easy availability of raw jute** .-(1) With a view to ensure easy availability of raw jute, the Jute Commissioner may, by order, require any stockist, -
- (i) to apply for registration to the Jute Commissioner or any officer duly authorised by him in his behalf;
 - (ii) not to sell or deliver his stock beyond a specified limit without the permission in writing of the Jute Commissioner or Deputy Jute Commissioner; or
 - (iii) to keep the maximum quantity of raw jute or any specified variety of jute which the stockist may have in his possession or purchase or sell from or to any specified person or agency or otherwise during any specified period.
- (2) In issuing an order under sub-paragraph (1), the Jute Commissioner shall have regard to-
- (i) the quantity of raw jute in his possession;
 - (ii) the quality, condition and grade composition of such stocks;
 - (iii) genuine and firm commitment to sell and to deliver;
 - (iv) period and the purpose for which such stocks of raw jute are being held by various stockists with particular reference to making raw jute easily available and to prevent holding of stocks or speculation in raw jute through Exchange or Exchanges or otherwise; and
 - (v) any other factor, which in the opinion of the Jute Commissioner may be relevant for the purpose.

7. **Power to inspect quality** .- The Jute Commissioner, may, with a view to ensuring quality of jute textiles in the market and to protect the interests of the end-user, require any person, producing or holding stock of jute textiles or transporting jute textiles to the end user,
- (a) to deliver samples for inspection at a place and time so fixed by a general or specific order;
 - (b) to permit any official of the Central Government or State Government or any other autonomous body or institution authorised by the Jute Commissioner to draw such samples for testing the same;
 - (c) to provide a copy of the inspection report prepared by such official or body or institution to the manufacturer or the stockist or the carrier, as the case may be, and proceedings under clause (a) of paragraph 8 may be initiated thereafter.

8. Power to prohibit supply by manufacturer.-

- (a) Any manufacturer may be prohibited from supplying any jute textiles for a period ranging from three months to two years depending on the nature and extent of unfair practices carried on by the manufacturer after an enquiry as provided under this paragraph by an order of the Jute Commissioner.
- (b) The Jute Commissioner may, suo motu or on receipt of a complaint from an end-user, or procurement agency or any other person involved in the business of jute sacking including Director-General of Supply and Disposal alleging unfair practices in respect of delivered jute textiles or a consignment of jute textiles, pass an order prohibiting a manufacturer from supplying jute textiles only after he –
 - (i) has directed an inspection officer not below the rank of an Inspector to conduct an inspection of jute textiles during any stage of production and handling jute textiles with a notice to the manufacturer to find out whether the manufacturer has resorted to unfair practices;
 - (ii) has provided a copy of the inspection report prepared by such inspection officer to the manufacturer;
 - (iii) has issued a notice to show cause upon the concerned manufacturer as to why punitive action in terms of clause (a) should not be taken against him;
 - (iv) has given such manufacturer a reasonable opportunity of being heard, and the order shall contain reasons as to why the manufacturer should or should not be prohibited in terms of clause (a).
- (c) When an order under clause (a) is passed by the Jute Commissioner in situations mentioned in clause (b), the Jute Commissioner shall have the right to dispose of such stock or stocks of jute textiles or a consignment of jute textiles which has been supplied by the manufacturer.
- (d) If a manufacturer does not co-operate or attempts to create obstruction or impediment in any form including refusal to supply data and information during the course of inspection or enquiry carried out under this paragraph he may be prohibited from supplying any jute textile against any procurement order under paragraph 4 for a period ranging from three months to two years in terms of clause (a).
- (e) Every order passed under this paragraph shall be notified in the Official Gazette.

9. Power to call for information and to inspect, search and seizure.—(1) The Jute Commissioner may, with a view to securing compliance with this Order, –

- (a) require any person to give any information in his possession with respect to any business carried on by that person or any other person;
 - (b) inspect or cause to be inspected or seize or cause to be seized books of accounts or other documents in the possession or under the control of any person which in his opinion shall be useful for or relevant to, any proceedings in respect of any contravention of this Order and allow the person from whose custody such books of accounts or other documents are seized to make copies thereof or to take extracts from therein the presence of the officer having the custody of such books of accounts or other documents;
 - (c) enter and search any premises and seize any raw jute or jute textiles in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has been, is being or is about to be committed and thereafter take or authorise the taking of all measures necessary for securing the production of stocks so seized, in a court for their safe custody, pending such production.
- (2) Every person who is required to furnish sample, or give any information or produce any book or other documents under clauses (a) and (b) shall comply with such requisition or direction.
- (3) The provisions of the Code of Criminal Procedures, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this paragraph.

10. **Appeal.**— Any person aggrieved by an order of the Jute Commissioner made under this Order may prefer an appeal to the Central Government within thirty days of the date of communication to him of such order and the Central Government may after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such orders on the appeal as it thinks fit:
Provided that the Central Government may entertain an appeal after the expiry of said period of thirty days, if the appellant satisfies the Central Government that he had sufficient cause for not preferring the appeal within the specified time.
11. **Penalty.**— Any person who contravenes any of the provisions of this Order or fails to carry out any direction or requisition made thereunder shall be punishable under section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).
12. **Power to authorise sub-ordinate officers .-** Subject to the prior approval of the Central Government, the Jute Commissioner may, by a general or special order in writing, authorise any officer of the Central Government or a State Government to exercise on his behalf, all or any of his functions and powers under this Order.
13. **Repeal and saving .-** The Jute and Jute Textiles Control Order, 2000 is hereby repealed:
Provided that any order made, notification issued, right accrued, penalty imposed or anything done or any action taken or purported to have been done or taken under or in pursuance of the said Order shall be deemed to have been made, issued, accrued, imposed or done or taken under or in pursuance of the corresponding provisions of this Order.

[F. No. 4/13/2015-Jute]

A. MADHUKUMAR REDDY, Jt. Secy.